संपादकीय

सुरक्षा कवच का साल

एक वैश्विक महामारी के खिलाफ स्वदेशी व देश में निर्मित टीकों की मदद से टीकाकरण का कामयाब साल पूरा करना हमारी उपलब्धि है। इतने कम समय में वैज्ञानिकों ने टीका हासिल किया, राजसत्ता ने इच्छाशक्ति दिखायी और चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा फ्रंट लाइन वर्करों ने उसे अंजाम तक पहुंचाया। सब कुछ जीरो से शुरू करने जैसा था, फिर भी देश ने न केवल सवा अरब से ज्यादा आबादी का ख्याल रखा बल्कि दूसरे देशों की भी मदद की। हम याद रखें कि देश की आर्थिक स्थिति कैसी है, हमारा चिकित्सा तंत्र किस हाल में था और संसाधनों की क्या स्थिति है। दूसरी लहर के दौरान कई बड़े देशों ने वैक्सीन की कच्ची सामग्री देने में आनाकानी की और चीन ने कई तरह के व्यवधान पैदा किये। इतने बड़े व भौगोलिक जटिलताओं के देश के गांव-देहात में जाकर टीके लगाना निस्संदेह कठिन था। टीकों का उत्पादन और फिर सुरक्षित तापमान में लक्षित आबादी तक पहुंचाना आसान नहीं था। जब राज्यों को टीकाकरण का दायित्व दिया गया तो उस दौरान जो राजनीतिक कोलाहल हुआ, उसे देश ने देखा। सुप्रीम कोर्ट की तल्खी भी देखी। सुखद है कि देश की सत्तर फीसदी वयस्क आबादी को दोनों टीके लगे हैं। करीब 157 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। वह भी तब जब खुद स्वास्थ्यकर्मियों की जान को भी खतरा था। इनकी प्रतिबद्धता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए राष्ट्र ने डाक टिकट जारी किया। लेकिन ऐसे वक्त में जब रोज नये संक्रमण के मामले दो लाख से अधिक आ रहे हैं और सक्रिय मामलों का आंकड़ा दस लाख पार कर गया है, तो सतर्क रहने की जरूरत है। नये वेरिएंट का खतरा टला नहीं है और वायरस के रूप बदलने की आशंका बनी हुई है। कहा जा रहा है कि ओमीक्रोन के कम घातक होने के कारण केवल अस्पताल में भर्ती होने वाले तथा मरने वालों का ही आंकड़ा जारी किया जाये। साथ ही अनावश्यक प्रतिबंधों में तार्किक ढंग से ढील दी जाये ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति के लिये रोजी-रोटी का संकट पैदा न हो। सख्ती एक नई मानवीय त्रासदी को जन्म दे सकती है।

वहीं, यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय मार्च से बारह से पंद्रह साल के बच्चों के टीकाकरण की दिशा में बढ़ रहा है। निस्संदेह, इससे जहां अभिभावकों की चिंता दूर होगी, वहीं स्कूलों को सामान्य ढंग से खोलने में मदद मिलेगी। विकसित देश पहले ही इस दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। बल्कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके बारह साल से छोटे बच्चों के टीकाकरण के लिये सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है। वहीं दिव्यांगों के टीकाकरण के बाबत दायर याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार ने हलफनामा दायर किया है कि किसी को जबरन टीका लगाने को बाध्य नहीं किया जाएगा। साथ ही दिव्यांगों को टीकाकरण का प्रमाणपत्र दिखाने की बाबत कहा कि किसी मानक प्रक्रिया के तहत यह अनिवार्य नहीं है। बहरहाल, इतना जरूर है कि दिव्यांगों की दिक्कतों के चलते उनके घर-घर जाकर टीका लगाने की जरूरत है। लेकिन जब भारत में कोरोना संक्रमण के मामले अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर हैं तो नागरिकों से सजग-सतर्क व्यवहार की उम्मीद है। हम न भूलें कि इतने बड़े अभियान के बाद करोड़ों लोग ऐसे भी हैं जो आज भी टीका लगाने से बच रहे हैं। तीसरी लहर के आंकड़े बता रहे हैं कि अस्पताल में भर्ती होने वालों व मरने वालों में वे ही लोग ज्यादा हैं, जिन्होंने टीका नहीं लगवाया। निस्संदेह, दोनों टीके लगाने के बाद भी कुछ लोगों को संक्रमण हुआ है, लेकिन यह कम घातक रहा और अस्पताल में भर्ती होने की नौबत नहीं आयी। बहरहाल, एक अनजानी महामारी से फौरी तौर पर लोगों को सुरक्षा कवच तो मिला ही है। जिन लोगों के लिये पहली-दूसरी लहर में संक्रमण घातक हुआ उनमें से अधिकांश लोग पहले से ही गंभीर रोगों से ग्रस्त थे। बहरहाल, जो टीकाकरण से रह गये हैं उन्हें जल्दी से जल्दी टीका लगवाना चाहिए। तभी महामारी का खात्मा संभव है।

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को डीपीई से बहुत अच्छा प्रदर्शन रेटिंग मिली

नई दिल्ली। सरकार ने सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को बहुत अच्छा' प्रदर्शन रेटिंग दिया है। इस कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह रेटिंग सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी ओएम में दी गई है।

सीईएल का एमओयू स्कोर 100 के पैमाने पर 75.55 है। सीईएल कई वर्षों से लाभ कमाने वाला पीएसयू है। यह प्रशंसनीय है कि सीईएल ने कोविड -19 महामारी के बावजूद, जिसने हर जगह व्यापार और विनिर्माण कार्यों को प्रभावित किया है, उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

सीईएल के जनसम्पर्क अधिकारी शर्मा ने बताया कि सीईएल सौर प्रौद्योगिकी, रेलवे इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक सिरेमिक और माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स में अग्रणी है। सीईएल ने वर्ष 1978 में भारत के पहले सोलर सेल और पहले सोलर मॉड्यूल का निर्माण किया। 43 वर्षों से कंपनी सोलर लालटेन, सोलर होम लाइटिंग सिस्टम, सोलर स्ट्रीट लाइट, जल पम्पिंग सिस्टम, सौर ऊर्जा संयंत्र, आदि विभिन्न सोलर पीवी उत्पादों के माध्यम से देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में सेवा दे रही है। सीईएल ने हिमालय के दुर्गम बर्फीले क्षेत्रों में भारतीय सशस्त्र बलों के उपयोग के लिए फोल्डेबल सौर मॉड्यूल की आपूर्ति कर चुका है। सीईएल ने भारत के दूरस्थ और दुर्गम स्थानों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की है। कंपनी ने सौर रिक्शा की छत के रूप में उपयोग के लिए विशेष लचीले सौर पैनलों का डिजाइन और निर्माण किया है। ये सौर पैनल पूरे दिन बैटरी की निरंतर चार्जिंग प्रदान करते हैं और रिक्शा द्वारा एक दिन में तय की जाने वाली दूरी को प्रभावी ढंग से दोगुना कर देते हैं जिसके परिणामस्वरूप रिक्शा चालकों द्वारा शारीरिक प्रयास में कमी के साथ-साथ उनकी दैनिक आय में वृद्धि होती है। सीईएल ने रेलवे कोचों की छतों पर सोलर पीवी मॉड्यूल भी स्थापित किए हैं जिनसे कोचों को विभिन्न इन-कोच सुविधाओं को चलाने के लिए कोचों को बिजली मिलती है। कंपनी सरकार की विभिन्न स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में एक सक्रिय प्रतिभागी है और परियोजना प्रबंधन परामर्श भी प्रदान करती है।

उन्होंने बताया कि सीईएल ने अपने परिसर में कई प्रकार के बिजली संयंत्रों को डिजाइन और स्थापित किया है। सीईएल के प्रशासनिक भवन की पूरी ऊर्जा आवश्यकता सौर उर्जा के माध्यम से पूरी की जाती है और इसे प्लेटिनम रेटेड प्रतिष्ठित आईजीबीसी ग्रीन मौजूदा बिल्डिंग अवार्ड मिला है। कार पार्किंग क्षेत्र को कवर करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन और निर्मित सौर पैनलों का उपयोग करते हुए चार बीआईपीवी (बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटो वोल्टाइक) बिजली संयंत्र हैं जो रेलवे प्लेटफॉर्म, औद्योगिक शेड, गोदामों आदि के लिए प्रदर्शन संयंत्र के रूप में कार्य करते हैं।

सीईएल के प्रवक्ता ने बताया कि आरडीएसओ अनुमोदित रेलवे सुरक्षा और सिग्नलिंग सिस्टम का देश का अग्रणी निर्माता है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है और यह नई पीढ़ी के फेलसेफ रेलवे सिग्नलिंग और सुरक्षा प्रणालियों के विनिर्माण का कार्य कर रहा है। सीईएल भारत सरकार की मेक-इन इंडिया पहल को पूरा कर रहा है। भारत की राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को लेकर और राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं (डेवलपर), निर्माता और प्रमोटर के बीच साझा मंच स्थापित करके सीईएल सामरिक और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण उत्पादों का निर्माण कर रहा है जिसमें मिसाइलों के लिए सिरेमिक रेडोम, रडार के लिए पीसीएम, इसरो के लिए सर्कुलेटर और आइसोलेटर्स, बॉडी आर्मर्स (बुलेट प्रूफ जैकेट और वेस्ट), सीमा सुरक्षा के लिए लेजर फेंसिंग सिस्टम और हवाई जहाजों की सुरक्षित लैंडिंग के लिए दृष्टि उपकरण शामिल हैं।

यमन में इंटरनेट सेवा हुई ठप

साना। सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन की ओर से बंदरगाह शहर अल हुदायदाह में किये गये हवाई हमले के बाद पूरे यमन में इंटरनेट सेवा ठप हो गयी है।

नेटब्लॉक्स की यातायात निगरानी सेवा ने यह जानकारी दी है। नेटब्लॉक्स के मुताबिक हवाई हमला दूरसंचार कंपनी की इमारत पर हुआ। उधर, गठबंधन सेना ने पुष्टि की है कि उसने अल हुदायदाह में हवाई हमले किए है।

उल्लेखनीय है कि यमन में कई वर्षों से राष्ट्रपति अब्दराबुह मंसूर हादी के नेतृत्व में सरकारी बलों और हौती विद्रोहियों के बीच संघर्ष चल रहा है। वहीं मार्च 2015 से सऊदी के नेतृत्व वाला अरब गठबंधन, श्री हादी की सेनाओं के सहयोग से काम कर रहा है और विद्रोहियों के खिलाफ हवाई, जमीन और समुद्री अभियान चला रहा है।

अंतिम रेड तक खिंचे एक और मुकाबले में गुजरात ने थलाइवाज को हराया

बेंगलुरु (आरएनएस)। कबड्डी के किसी मैच में कितने उतार-चढ़ाव हो सकते हैं, गुजरात जाएंट्स और तमिल थलाइवाज के बीच वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन का 66वां मैच इसका शानदार नमूना बनकर सामने आया। इस सीजन में एक या दो बार नहीं बल्कि कई बार अंतिम रेड पर मैच का फैसला हुआ है और इस मैच में भी गुजरात ने आखिरी रेड पर अंक लेकर थलाइवाज को 37-35 के अंतर से हराया।

इस सीजन में गुजरात की यह तीसरी जीत है और इसके नायक बने ऑलराउंडर की भूमिका में महेंद्र राजपूत जिन्होंने नौ अंक

अपने नाम किए। इसके अलावा कप्तान सुनील कुमार का हाई-5 और राकेश नरवाल के 6 अंक भी गुजरात के काम आए। सब्सीट्यूट प्रदीप कुमार का बहुमूल्य सुपर रेड कभी नहीं भूला जा सकता, क्योंकि वही गुजरात को मैच में वापस लाया। थलाइवाज के लिए मंजीत सिंह और अजिंक्य पवार ने सुपर-10 लगाए। थलाइवाज को 11 मैचों में तीसरी हार मिली।

मुकाबला शुरू नहीं हुआ था कि थलाइवाज के लिए डू ओर डाई रेड की बारी आ गई। गुजरात के डिफेंस ने भवानी राजपूत को लपक लिया। पहले चार मिनट में दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थीं। अगले दो मिनट में गुजरात ने तीन अंक बटोरे और 5-3 की लीड ले ली। राकेश नरवाल ने अपनी अगली दो रेड पर गुजरात के लिए तीन अंक बटोरे और थलाइवाज को ऑल आउट की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया। थलाइवाज के लिए अजिंक्य पवार ने बोनस लिया और फिर सागर के साथ सुपर टैकल को अंजाम दे सुरजीत को रिवाइव कराया। स्कोर 7-8 हो गया था।

सब्सीट्यूट पवार की अगली रेड पर सुलेमान पहलवानी ने गलती की। अब थलाइवाज 9-8 से आगे हो गए थे। अब गुजरात के लिए पहली डू ओर डाई रेड पर एचएस राकेश थे। सागर और सुरजीत ने उन्हें लपक स्कोर 10-8 कर दिया। पवार को डू ओर डाई रेड पर लपक गुजरात के डिफेंस ने स्कोर 9-10 किया।

अब महेंद्र राजपूत की डू ओर डाई रेड थी। सुरजीत गलती कर बैठे। गुजरात की टीम अब 11-10 से आगे हो गई थी। थलाइवाज फिर ऑलआउट की कगार पर थे। एचएस राकेश के खिलाफ एमएस अतुल गलती कर बैठे।

वर्ल्ड कप-2022 का शेड्यूल जारी, भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान से

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानि आईसीसी ने इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया है। भारत को इस टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। यह मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार 2015 के वर्ल्ड कप के दौरान ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में विश्व

कप मैच खेला था। टूर्नामेंट के पहले 6 दिन यानी 16 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक टूर्नामेंट के फर्स्ट राउंड के मुकाबले खेले जाएंगे। उसके बाद 22 अक्टूबर से सुपर 12 के मैच शुरू होंगे। टी-20 वर्ल्ड कप का आठवां संस्करण 16 अक्टूबर से शुरू होगा और इसके मुकाबले एडिलेड, ब्रिस्बेन, जिलॉन्ग, होबार्ट, मेलबर्न, पर्थ और सिडनी में सात स्थानों पर खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला 13 नवंबर को एमसीजी में खेला जाएगा। सुपर 12 के लिए टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप 1 में अभी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान की टीमें शामिल हैं। वहीं ग्रुप 2 में भारत, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश है।

टेरी मोटू को बाउचर के खिलाफ जांच के लिए अनुशासनात्मक सुनवाई की मिली जिम्मेदारी

जोहान्सबर्ग (आरएनएस)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर के खिलाफ रंगभेद के आरोपों की जांच के लिए काम शुरू करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता टेरी मोटू को अनुशासनात्मक सुनवाई समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

सीएसए ने गुरुवार को एक बयान में कहा, अगर स्वतंत्र जांच में बाउचर को दोषी पाया जाता है तो यह उनकी बर्खास्तगी का कारण बन सकता है, लेकिन अभी के लिए वह टीम के मुख्य कोच के अपने पद पर बने रहेंगे।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुताबिक सामाजिक न्याय एवं राष्ट्र-निर्माण (एसजेएन) परियोजना के तहत दिसंबर 2021 में सौंपी गई रिपोर्ट के बाद यह अनुशासनात्मक सुनवाई शुरू हुई है। रिपोर्ट में राष्ट्र क्रिकेट बोर्ड के रैंकों और ड्रेसिंग रूम के अंदर प्रचलित प्रणालीगत रंगभेद का वर्णन किया गया था। बाउचर के खिलाफ उनके पूर्व राष्ट्रीय साथी पॉल एडम्स ने आरोप लगाए थे, हालांकि यह पुख्ता नहीं हो पाया था कि वह इसके दोषी हैं या नहीं।

यही वजह है कि सीएसए अब स्वतंत्र जांच कर रहा है।

सीएसए ने यह भी कहा है कि 17 जनवरी को उसे बाउचर के खिलाफ अनुशासनात्मक आरोपों के साथ-साथ उनके द्वारा अधिकारों द्वारा का गलत इस्तेमाल करने को लेकर एक आरोप पत्र प्राप्त हुआ था। सीएसए की विज्ञप्ति में कहा गया कि आगामी जांच में पूर्व सहायक कोच हनोक न्कवे के इस्तीफे के बाद उत्पन्न चिंताओं और आरोपों पर भी विचार किया जाएगा।

सीएसए बोर्ड के अध्यक्ष लॉसन नायडू ने एक बयान में कहा, बोर्ड रंगभेद या भेदभाव के आरोपों को अत्यंत गंभीरता के साथ लेता है और दक्षिण अफ्रीका के संविधान एवं श्रम कानून के संदर्भ में निष्पक्षता और उचित प्रक्रिया सुनिश्चित करने के अपने कर्तव्य के प्रति सचेत रहता है।

आज का राशिफल

मेष : सेहत से जुड़ी परेशानियां असहजता का कारण बन सकती हैं। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं।

वृष : खुद अपना इलाज करने से बचें, क्योंकि दवाई पर आपकी निर्भरता बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है।

मिथुन : खुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा।

कर्क: सेहत की तरफ़ ज़रा ज़्यादा ग़ौर करने की ज़रूरत है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा।

सिंह : आप खुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं।

कन्या : रक्त चाप के मरीज़ों को ख़ास ख़याल रखने और दवा-दारू करने की ज़रूरत है। साथ ही उन्हें कॉलेस्ट्रोल को क़ाबू में रखने की कोशिश भी करनी चाहिए।

तुला : जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है।

वृश्चिक : रात के समय आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है।

धनु : आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं।

मकर : स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी खुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करें।

कुंभ: दिन फ़ायदेमंद साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। विवाद, मतभेद और दूसरों की आपमें कमियां निकालने की आदत को नज़रअंदाज़ करें।

मीन : आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी।

मुराद खेतानी की फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगी तारा सुतारिया

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने तड़प से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। फिल्म 3 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में तारा सुतारिया को अहान के साथ रोमांस करते हुए देखा गया था। इस फिल्म के जरिए तारा ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। अब इस अभिनेत्री के खाते में एक और फिल्म जुड़ गई है। खबरों की मानें तो वह कबीर सिंह के प्रोड्यूसर मुराद खेतानी की अगली फिल्म में लीड रोल निभाएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, तारा मुराद की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका

में नजर आएंगी। खबरों की मानें तो उन्होंने यह फिल्म साइन कर ली है। यह एक थ्रिलर ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्माण मुराद के प्रोडक्शन बैनर सिने 1 स्टूडियोज के तले किया जाएगा। यह एक महिला केंद्रित फिल्म है, जिसका शीर्षक अभी निर्धारित नहीं किया गया है। बृज मोहन अमर रहे फेम निखिल भट इस फिल्म का निर्देशन करेंगे।

खबरों की मानें तो इस फिल्म की कहानी एक जवान लड़की की जिंदगी की जद्दोजहद के इर्दगिर्द घूमती है। यह अभिनेत्री तारा के लिए पहली एकल प्रमुख फिल्म है। इससे पहले उन्होंने कई फिल्मों में हीरो की नायिका का किरदार अदा किया है। तारा को स्टोरी 2 और मरजावां में भी देखा गया है। तारा की अगली फिल्म अनुष्का शर्मा की ह्ल10 की तर्ज पर बताई जा रही है। स्पष्ट है कि फिल्म तारा के कंधे पर टिकी होगी।

तारा अपनी इस नई भूमिका को लेकर काफी उत्साहित हैं। ऐसी

बालकृष्ण की अखंड ने सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक पूरे किए 50 दिन

निदेशक बोयापति श्रीनु की अखंड ने सिनेमाघरों में 50 दिनों की दौड़ सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यूनिट के करीबी सूत्रों ने दावा किया कि फिल्म ने 103 केंद्रों में यह उपलब्धि हासिल की है। बालकृष्ण की किसी फिल्म के लिए अब तक के सबसे बड़े बजट में बनी अखंड ने 200 करोड़ रुपये का जोरदार बिजनेस किया है।

निर्देशक बोयापति श्रीनु और बालकृष्ण का संयोजन सफल साबित हो रहा है क्योंकि यह

लगातार दोनों की तीसरी ब्लॉकबस्टर है, अन्य दो ब्लॉकबस्टर सिम्हा और लीजेंड हैं। निर्माताओं का दावा है कि अखंड ने न केवल निर्माता बल्कि सभी वितरकों को भी भारी मुनाफा दिया है। विदेशों में भी यह फिल्म शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसने हाल ही में अमेरिका में मिलियन-डॉलर का आंकड़ा छुआ है।

पालक-पनीर के परांठे

पालक पनीर की सब्जी तो बहुत खाई होगी आपने लेकिन क्या इससे बने परांठे या रोटी किया है ट्राय? अगर नहीं तो यहां जानें इसकी रेसिपी और अगली बार बची हुई इस सब्जी का ऐसे करें इस्तेमाल।

सामग्री :

कटी हुई पालक- 1/2 कप, कद्दूकस किया पनीर- 5 टेबलस्पून, आटा- 5 टेबलस्पून, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 टीस्पून, हल्दी पाउडर- 1/4 टीस्पून, हींग चुटकीभर, नमक- स्वादानुसार, तेल- सेंकने के लिए

विधि :

बर्तन में सारी चीज़ों को मिलाकर गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हुए नरम आटा गूंथ लें।

कुछ देर के लिए आटे को सेट होने के लिए छोड़ दें।

अब इसकी लोई तैयार करें और उसे मनचाहे शेप में बेल लें।

नॉन-स्टिक तवे पर परांठे को अच्छी तरह सेंक लें।

इसे मनपसंद चटनी, अचार या दही के साथ सर्व कर सकते हैं।

इसे आप एक और तरीके से भी बना सकते हैं। बची हुई पालक पनीर की सब्जी को आटे में मिक्स करते हुए गूंथ लें। और फिर इसके परांठे तैयार करें।

शब्द सामर्थ्य- 327

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

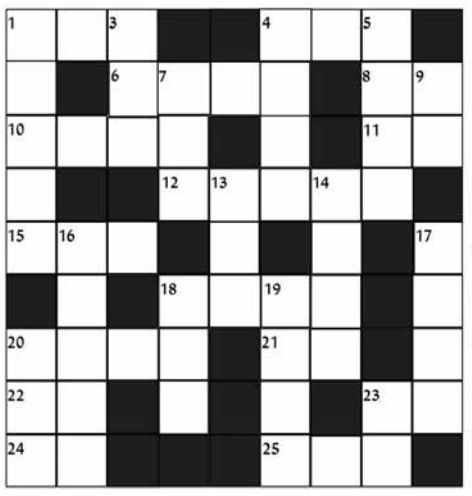

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 326 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

सू-दोकू- 327

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.326 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3